भोपाल, 1 सितंबर. सिद्धि विनायक गणेश एवं दुर्गा उत्सव समिति द्वारा बड़वाले महादेव मंदिर मार्ग पर भगवान गणेश जी भव्य प्रतिमा भोपाल के दूल्हे राजा विराजित की है. यहां दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है.

भोपाल, 1 सितंबर. सिंधु मित्र मंडल सिंधी कॉलोनी में गणेशोत्सव के दौरान सिंधी कॉलोनी के राजा की भव्य और आकर्षक प्रतिमा विराजमान की गई है.

हाईटेक गौ शालाओं में सौर ऊर्जा से बिजली बनेगी

पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री पटेल ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 1 सितंबर. पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में गौ-संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य निरंतर किया जा रहा है. प्रदेश में 9 अप्रैल 2024 से 29 मार्च 2025 तक गो-संरक्षण वर्ष मनाया गया, जिसके अंतर्गत प्रदेश में गौ-संरक्षण एवं गो सेवा के कार्य किए गए. हमारी सरकार ने प्रदेश में स्वावलंबी गो-शालाएं बनाने का निर्णय लिया है.

मध्यप्रदेश ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य है. ये गो शालाएं हाईटेक होगी, जहां गायों की देखभाल के लिए सभी

आधुनिक सुविधाओं सहित जैविक खाद, सीएनजी गैस उत्पादन के साथ सौर ऊर्जा से बिजली भी बनाई जाएगी.

पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार पटेल ने सोमवार को मंत्रालय में विभागीय कार्यों की समीक्षा की. बैठक में स्वावलंबी गौशालाओं की कार्ययोजना तथा दुग्ध उत्पादन को 9 से बढ़ाकर 20 फीसदी करने के लक्ष्य सहित विभागीय प्रगति पर चर्चा हुई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए.

> पशुपालन राज्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में किसानों की आमदनी दोगुना करने में पशुपालन का विशेष स्थान है. गौशालाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए पशुओं में नस्ल सुधार आवश्यक है. पशुपालन के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही है. हमारी सरकार द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना प्रारंभ की गई है. सरकार गो-सेवा के क्षेत्र में गोपालकों को प्रोत्साहित करने के लिए संस्थागत एवं व्यक्तिगत पुरस्कार भी दे रही है.

संघ निष्ठा के साथ काम करेगा : डॉ. दीपक

आयकर विभाग के राजपत्रित अधिकारी संघ का इंदौर में अधिवेशन

भोपाल, 1 सितंबर. आयकर विभाग के राजपत्रित अधिकारी संघ मप्र-छग का दो दिवसीय अधिवेशन इंदौर में हुआ, इस अधिवेशन में डॉ. दीपक कुमार तीसरी बार महासचिव निर्वाचित हुए, वहीं भोपाल के आयकर उपायुक्त संजय कुमार रामटेके अध्यक्ष चुने गए.

नवनिर्वाचित महासचिव डॉ. दीपक कुमार ने कहा कि अधिकारियों की समस्याओं का समाधान आपसी संवाद, सदभाव और एक सुनिश्चित प्रक्रिया के माध्यम से हो. आयकर अधिकारियों की सेवा शर्तों से जुड़ी लंबित समस्याओं के समाधान, अधिकारियों के नियमित कामकाज के दौरान आने वाली चुनौतियों के बीच संतुलन और संशोधन तथा विभाग और संगठन के बीच सकारात्मक संवाद के जरिए अपने संगठन को इतना प्रभावी और मजबूत बनाया जाएगा कि सरकार और संघ के बीच किसी तरह का अवरोध या विवाद पैदा नहीं हो. उन्होंने सभी मुद्दों पर हम समयबद्ध रोडमेप बनाएंगे और अलग-अलग समस्याओं के लिए अपने साथियों की अलग-अलग टीमें बनाकर उन्हें सौंपेंगे तथा विभागीय अधिकारियों से लगातार बातचीत कर जरूरी हुआ तो सीबीडीटी (सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स) के स्तर पर भी पहल करेंगे.

केंद्रीय संयुक्त सचिव ने किया एम्स का निरीक्षण

भोपाल, 1 सितंबर. केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की संयुक्त सचिव अंकिता मिश्रा बुंदेला ने एम्स भोपाल का निरीक्षण किया. उनका स्वागत कार्यपालक निदेशक प्रो. माधवानंद कर तथा उपनिदेशक (प्रशासन) संदेश कुमार जैन ने किया.

इसके बाद कार्यपालक निदेशक, उपनिदेशक (प्रशासन), निदेशक, सभी डीन एवं वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ एक संवादात्मक बैठक आयोजित हुई, जिसमें संस्थान की प्रगति, स्वास्थ्य सेवाओं और शैक्षणिक पहलों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई.

श्रीमती बुंदेला ने अस्पताल का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी), भर्ती वार्ड और विभिन्न चिकित्सीय सेवाएँ शामिल थीं. इस दौरान उन्होंने मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों से बातचीत भी की. अपने कैंपस भ्रमण के हिस्से के रूप में उन्होंने छात्रावास परिसर का दौरा किया और गणेश पूजा में सम्मिलित होकर विद्यार्थियों एवं स्टाफ के साथ समय बिताया, जिससे संस्थान के जीवंत सांस्कृतिक और शैक्षणिक वातावरण की झलक मिली. उनकी यात्रा में कॉलेज भवन का दौरा भी शामिल था.

> इसके अतिरिक्त, संयुक्त सचिव बुंदेला ने संस्थान में चल रहे प्रमुख परियोजनाओं जैसे क्रिटिकल केयर सेंटर, गामा नाइफ सेंटर और मल्टी-लेवल पार्किंग परियोजना का भी निरीक्षण किया. उन्होंने इन परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और कहा कि इनके पूर्ण होने से गंभीर रोगियों के इलाज, उन्नत न्यूरो-सर्जरी सेवाओं तथा मरीजों और परिजनों की सुविधा में उल्लेखनीय सुधार होगा. दौरे के उपरांत बुंदेला ने एम्स भोपाल के नेतृत्व, संकाय एवं स्टाफ के समर्पण की सराहना की और कहा कि संस्थान क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं, शोध और चिकित्सा शिक्षा को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है.

एक नजर में

महापौर ने किया स्कूल के कक्षों का लोकार्पण

भोपाल. महापौर मालती राय ने सोमवार को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जहांगीराबाद में महापौर निधि से उपलब्ध कराई गई राशि से नवनिर्मित दो अतिरिक्त कक्षों का लोकार्पण किया. इस अवसर पर महापौर राय ने कहा कि हमारा सदैव प्रयास है कि हम शहर के विद्यालयों एवं विद्यार्थियों को बेहतर से बेहतर सुविधायें उपलब्ध कराएं. इसी तारतम्य में जहांगीराबाद गर्ल्स स्कूल में दो अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कराया है. इन अतिरिक्त कक्षों से यहां अध्ययनरत छात्राओं को अध्ययन के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी. लोकार्पण अवसर पर पार्षद पप्पू विलास सहित बड़ी संख्या में विद्यालय के प्राध्यापक एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे.

प्रोफेसर डॉ. प्रगति अग्रवाल ने रचा इतिहास

भोपाल. मैनिट के कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रगति अग्रवाल ने इतिहास रचते हुए द ग्रेट हिमालयन अल्ट्रा (अल्ट्र II) 2025 की 7वीं संस्करण पूरी करने वाली पहली महिला साइकिलिस्ट बनने का गौरव हासिल किया है. उन्होंने 600 किमी का मार्ग 36 घंटे 58 मिनट में पूरा किया. रेस में 7500 मीटर से अधिक की ऊँची चढ़ाई, पतली हवा, भूस्खलन, बाढ़, उच्च ऊंचाई की बीमारी और अचानक मौसम बदलाव जैसी कठिनाइयाँ थीं. पहले दिन उन्हें 4,000 मीटर से ऊपर लंबे समय तक साइकिल चलाने से सिरदर्द और शरीर में सूजन का सामना करना पड़ा, जबकि दूसरे दिन लगातार बारिश ने गीले कपड़ों में घंटों साइकिल चलाने के लिए मजबूर किया. प्रगति ने 2014 में पढ़ाई के दौरान बैंगलोर ट्रैफ़िक से बचने और फिटनेस बनाए रखने के लिए साइकिलिंग शुरू की.

सही आचरण ही समाज को संगठित रखेगा : डॉ. द्विवेदी

▶ **एनआईटीटीटीआर में भारतीय ज्ञान परंपरा पर व्याख्यान**

भोपाल, 1 सितंबर. एनआईटीटीटीआर भोपाल में उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में पदस्थ प्राध्यापकों के लिए भारतीय ज्ञान परम्परा पर चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया.

इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ. अवनीश भटनागर, डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी डॉ. उत्तम द्विवेदी थे. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अवनीश भटनागर, अखिल भारतीय उपाध्यक्ष, विद्या भारती थे. उन्होंने भारतीय शिक्षा दर्शन की

अवधारणा को प्रस्तुत करते हुए बताया कि शिक्षा केवल सूचना देना नहीं, बल्कि एक समग्र व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया है. भटनागर ने शिक्षकों को टीचिंग के मूलमंत्र भी दिए. दूसरे वक्त प्रो ललित बिहारी गोस्वामी ने कहा कि जो मूल है वही मूल्यवान है. भारत में ज्ञान के प्रति अनुराग या साक्षात्कार की विशेषता हमेशा से रही है. ज्ञान अहंकार दे सकता हे लेकिन विद्या विनय देती है.

उन्होंने कहा कि शिक्षक क्लास में शंका लेकर नहीं जिज्ञासा लेकर जाएँ. प्रो उत्तम द्विवेदी ने कहा कि हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहना है. सही आचरण ही समाज को संगठित रखेगा.

> निटर भोपाल के निदेशक डॉ. सी.सी त्रिपाठी ने कहा कि मूल्य-आधारित, समग्र एवं भारतीय दृष्टिकोण युक्त शिक्षा को वैज्ञानिक तथ्यों के साथ समकालीन रूप से प्रासंगिक बनाना हमारी जिम्मेदारी है. डीन साइंस एवं आईकेएस हेड प्रो. पी.के पुरोहित ने कहा कि यह पहल न केवल भारत की समृद्ध धरोहर को पुनर्स्थापित करने का प्रयास है, बल्कि राष्ट्रगौरव को जागृत करने का एक सशक्त सांस्कृतिक संदेश भी है.इस अवसर पर संकाय सदस्य एवं विभिन्न प्रशिक्षणरत प्रतिभागी उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन संजय त्रिपाठी ने किया.

एनसीसी कैडेट्स ने किया रक्तदान

भोपाल, 1 सितंबर. एलएन मेडिकल कॉलेज के जेके हास्पिटल में 12 एमपी एनसीसी बटालियन, भोपाल द्वारा अपने वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के दौरान रक्तदान अभियान का आयोजन किया गया. यह शिविर जेके अस्पताल और एचडीएफसी बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया. इसमें कैडेट्स ने सेवा की भावना को बढ़ावा दिया. 12 एमपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल नितिन भंवर ने इस सामाजिक सेवा कार्य की सराहना की और रक्तदाता कैडेट्स को डोनर कार्ड, प्रमाण पत्र, रक्तदाता बैज, उपहार और उच्च पौष्टिक जलपान प्रदान करके सम्मानित किया.

नवयुग सम्मोहन पर हुई अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

▶ **बीएसएसएस में दूसरी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन**

भोपाल, 1 सितंबर. भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज (बीएसएसएस) के मनोविज्ञान विभाग ने इंडियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल हिप्नोसिस (आईएससीईएच) और आत्मान बाय सोनम के सहयोग से नवयुग सम्मोहन पर दूसरी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया.

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम बीएसएसएस सेमिनार हॉल में आयोजित किया गया. इस

कार्यशाला में देश-विदेश के विशेषज्ञ, अभ्यासकर्ता और विद्वान भागीदारी कर रहे थे. कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन और गणमान्य व्यक्तियों के संदेशों के साथ हुआ. उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण डॉ भास्कर व्यास, जिन्हें नवयुग सम्मोहन के जनक माना जाता है, का संदेश था, जो उन्होंने अपनी पुत्री डॉ निरूपा के माध्यम से दिया. आईएससीईएच के अध्यक्ष डॉ अविनाश दवे और आईएससीईएच की आयोजन सचिव सोनम छतवानी ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया. मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. विनय मिश्रा को परामर्श के क्षेत्र में उनके नेतृत्व के साथ-साथ कार्यशाला के सफल आयोजन में उनके मार्गदर्शन के लिए सम्मानित किया गया.

संगीत ▶ सूफी बैंड अधिरोह के संग दी प्रस्तुति

श्रीलंका के कोलंबो में गूंजे भोपाल के रोहन पाठक के सुर

भोपाल, 1 सितंबर. मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक धरती से निकले सुरों ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी चमक बिखेरी है. राजधानी भोपाल के सूफी बैंड अधिरोह और सिंगर रोहन पाठक ने श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में ऐसा जादुई माहौल रचा कि वहां मौजूद श्रोता देर तक सुरों की तरंगों में झूमते रहे.

15 और 16 अगस्त को आयोजित इस प्रस्तुति ने न केवल संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध किया, बल्कि यह अवसर अधिरोह बैंड के लिए भी एक ऐतिहासिक रहा, क्योंकि यह उनकी पहली विदेशी प्रस्तुति थी. कोलंबो के ऑडिटोरियम में जब रोहन पाठक की सुरीली आवाज़ गूंजी और अधिरोह बैंड के कलाकारों ने सुरों को पंख दिए, तो वातावरण सूफियाना रंग में रंग उठा. श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट और वाहवाही के साथ हर गीत का स्वागत किया. यह प्रस्तुति एक कॉर्पोरेट इवेंट के तहत आयोजित हुई थी, लेकिन माहौल ऐसा बन गया मानो यह एक सांगीतिक उत्सव हो. बैंड के मैनेजर अभिनय धूरिया ने बताया कि यह हमारे लिए गर्व का क्षण था. पहली बार अधिरोह बैंड ने विदेशी धरती पर परफॉर्म किया और श्रोताओं ने जिस तरह का प्यार और सम्मान दिया, उसने हमारी मेहनत को सार्थक कर दिया.

वॉइस ऑफ इंडिया फेम रोहन पाठक

बैंड के मुख्य सिंगर रोहन 'वॉइस ऑफ इंडिया' जैसे राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं. भोपाल में जन्मे रोहन अब तक देश के कई बड़े शहरों में प्रस्तुतियां दे चुके हैं. कोलंबो में उनके गीतों ने श्रोताओं के दिल को छू लिया और उन्हें लंबे समय तक बांधे रखा. उल्लेखनीय है कि गिटार पर प्रवेश रावत और ओमी, की-बोर्ड पर ओजस, को-सिंगर करणदीप सिंह मद्ध, देवेश भौर्या और सार्थक रायकवर ड्रम्स पर आयुष ओझा, और परकशन पर देवा शांडिल्य और साउंडर इंजीनियर की भूमिका में शुभोजीत सरकार थे.

अधिरोह बैंड का संगीतिक सफर

धूरिया ने बताया कि अधिरोह बैंड की शुरुआत भोपाल में हुई और कुछ ही वर्षों में यह बैंड मध्यप्रदेश से लेकर देश के अन्य हिस्सों तक लोकप्रिय हो गया. सूफी गीतों और फ्यूज़न म्यूज़िक को अपनी पहचान बनाने वाले इस बैंड ने हमेशा प्रयोगधर्मिता को अपनाया है. अधिरोह बैंड का मकसद सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि संगीत के ज़रिए आध्यात्मिकता और सकारात्मकता का संदेश फैलाना है.

विद्यार्थियों, प्राध्यापकों ने किया रचना पाठ

▶ **भेल कॉलेज में काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन**

भोपाल, 1 सितंबर. बाबूलाल गौर स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में स्वरचित साहित्य मंच और हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विगत दिवस काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.संजय जैन ने कहा कि स्वरचित साहित्य मंच का यह कार्यक्रम नवाचार की दिशा में मील का पत्थर है.

आकाश हमारा है, परचम लहराना है और कुछ कही कुछ अनकही जैसी साहित्यिक थीम पर विद्यार्थियों ने कविता का अनूठा संसार रचा. प्राची विश्वकर्मा ने अपनी कविता सुनाकर सबको भावुक कर दिया. कविता यादव ने

यदि मैं किताब होती शीर्षक से गहरी बात कही. त्रिवेणी, सीता रजक ,ज़ोया, तुषार और रश्मि अहिरवार ने भी कविगोष्ठी को आगे बढ़ाया. महाविद्यालय के रमाकांत तिवारी ने जाग उठा अब देश हमारा शीर्षक से सभागार में देशभक्ति का रंग भर दिया. आरती पटेल डॉ.अर्चना गौर, डॉ.कीर्ति श्रीवास्तव, डॉ. इलारानी श्रीवास्तव ने अपनी मौलिक कविताएं पढ़ीं. डॉ. सुषमा जादौन ने मां अभी हैं और मां अब नहीं हैं दो कविताओं की प्रस्तुति से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया. प्रतिभागियों को प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत भी किया गया. कार्यक्रम का संचालन डॉ. इला रानी श्रीवास्तव और आभार प्रदर्शन डॉ.कमलेश सिंह नेगी ने किया.